शास्त्री द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सत्रार्द्ध

चतुर्थ प्रश्न –पत्र

लिखित परीक्षा – 60 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 40 अंक
पूर्णांक – 100 अंक

मैथिली काव्यशास्त्र आ मैथिली आलोचना

कुल – 4 क्रेडिट
2 क्रेडिट

खण्ड (क)

(1)

रस – परिभाषा , महत्व
रसक अवयव आ रसक भेद

(2)

अलङ्कारक – परिभाषा , महत्व
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, विभावना ।

(3)

छंद – परिभाषा , महत्व
दोहा, रोला, भुजङ्गप्रयात, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, भान्दाक्रान्ता, द्रूतविलम्बित, रोला

खण्ड (ख)

(1)

सोनी कुमारी

काव्य गुण – परिभाषा , महत्व – 2 क्रेडिट
माधुर्य, ओज, प्रसाद

(2)

शब्द शक्ति – परिभाषा , महत्व
अमिधा, लक्षणा, व्यंजना

(3)

मैथिली ओलोचना – अर्थ, परिभाषा आ स्वरूप
प्रमुख आलोचक – आचार्य रमानाथ झा, डॉ0 सुभद्र झा, सुधां J ' ोखर चौधरी, डॉ0 अमरे I पाठक, डॉ0 रामदेव झा

सहायक ग्रंथ –

1. अलङ्कार भास्कर – डॉ0 रमण झा
2. मैथिली काव्य ाास्त्र – डॉ0 दिनेश कुमार झा
3. अलङ्कार परिजात – नरोत्तम दास स्वामी
4. मैथिली काव्यमे अलङ्कार – डॉ0 रमण झा
5. मैथिल तत्व विम f – म0म0 परमे वर झा
6. अलङ्कार भास्कर – डॉ0 रमण झा
7. मैथिली आलोचना – डॉ0 दिनेश कुमार झा
8. छन्द भाास्त्र – पं0 गोविन्द झा
9. रस परिचय – डॉ0 दिनेश कुमार झा
10. रस विवेचन – डॉ0 दिने श कुमार झा
11. भारतीय काव्य ाास्त्रक परम्परा – डॉ0 दिनेश कुमार झा

मैथिली साहित्य

GE-5

शास्त्री तृतीय वर्ष, पंचम सत्रार्द्ध

सोनी कुमारी